लेखाशास्त्र

वित्तीय लेखांकन

भाग – 2

11113

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

© NCERT not to be republished

ISBN 81-7450-557-1 (भाग-1)
ISBN 81-7450-599-7 (भाग-2)

प्रथम संस्करण
जुलाई 2006 आषाढ़ 1928
पुनर्मुद्रण
जनवरी 2007 माघ 1928
नवंबर 2007 कार्तिक 1929
जनवरी 2009 माघ 1930
जनवरी 2010 माघ 1931
जनवरी 2011 माघ 1932
मार्च 2019 फाल्गुन 1940
सितंबर 2019 भाद्रपद 1941

PD 5T RSP

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2006

₹ 110.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा ....

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम. सिराज अनवर*
मुख्य संपादक	:	*श्वेता उप्पल*
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	*अरुण चितकारा*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*बिबाष कुमार दास*
सहायक संपादक	:	*गोबिन्द राम*
उत्पादन सहायक	:	*प्रकाश वीर सिंह*

आवरण
श्वेता राव

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाये हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नये ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए जरूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उनता ही जरूरी है जितनी वार्षिक केलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती हैं। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन. सी. ई. आर. टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के

© NCERT not to be republished

अध्यक्ष प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर आर. के. ग्रोवर की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 दिसंबर 2005

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर,* इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

आर.के. ग्रोवर, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इग्नू नयी दिल्ली

सदस्य

अमित सिंघल, *लेक्चरर,* रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अश्विनी कुमार काला, *पी.जी.टी.* वाणिज्य, हीरालाल जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सदर बाजार, दिल्ली

ए.के. बंसल, *रीडर,* पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, नेहरू नगर, नयी दिल्ली

ईश्वर चंद, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* सर्वोदया बाल विद्यालय, वेस्ट पटेल नगर, नयी दिल्ली

के. संबसिवा राव, *प्रोफ़ेसर,* वाणिज्य विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापटनम्

डी.के. वेद, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नयी दिल्ली

दीपक सहगल, *रीडर,* दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

पी.के. गुप्ता, *रीडर,* प्रबंध शिक्षा विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली

एम. श्रीनिवास, *प्रोफ़ेसर,* वाणिज्य विभाग, उस्मानिया विश्वविद्याालय, हैदराबाद

राजेश बंसल, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* रोहतगी, ए. वे. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयी सड़क, दिल्ली

वनीता त्रिपाठी, *लेक्चरर,* वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्याालय, दिल्ली

एस.के. शर्मा, *रीडर,* खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

एस.एस. सहरावत, *सहायक आयुक्त,* केंद्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़

सुशील कुमार, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* सर्वोदय बाल विद्यालय, कैलाश पुरी, दिल्ली

सविता शंगारी, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* ज्ञान भारती स्कूल, साकेत, नयी दिल्ली

शिव जुनेजा, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* निरंकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पहाड़गंज, नयी दिल्ली

एच.वी. झांब, *रीडर,* खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

© NCERT not to be republished

हिंदी अनुवाद

विनीता दत्त, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, ऐ. ब्लॉक, सरस्वती विहार, नयी दिल्ली

मनवीर सिंह राणा, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* गंगा इंटरनेशनल स्कूल, हीरण कूदना, रोहतक रोड, दिल्ली

एस.के. बंसल, *पी.जी.टी., कॉमर्शियल* उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरियागंज, दिल्ली

राजेश बंसल, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* ऐ.वी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयी सड़क, दिल्ली

देवेन्द्र कुमार त्रिवेदी, 29, ई–18, वार्ड नं.1, महरौली, नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

शिप्रा वैद्या, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर (वाणिज्य),* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली।

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, इस पुस्तक के निर्माण एवं पुनरीक्षण में सहयोग देने हेतु पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति का आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष* (सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग) के प्रति भी अपनी कृतज्ञता अर्पित करती है, जिन्होंने प्रत्येक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

यतेन्द्र कुमार यादव, कॉपी एडीटर; दीप्ती शर्मा, नौशाद अहमद, प्रूफ रीडर के सहयोग हेतु अपना हार्दिक आभार ज्ञापित करती है, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक को पूर्ण रूप देने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसी संदर्भ में प्रकाशन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. का सहयोग भी उल्लेखनीय है।

हम उन सभी वाणिज्य शिक्षकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक की क्यू.आर. कोड की अतिरिक्त पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपना योगदान दिया है।

© NCERT not to be republished

विषय सूची
लेखाशास्त्र - भाग 1

अध्याय 1	लेखांकन-एक परिचय	1
अध्याय 2	लेखांकन के सैद्धांतिक आधार	24
अध्याय 3	लेन-देनों का अभिलेखन-1	49
अध्याय 4	लेन-देनों का अभिलेखन-2	105
अध्याय 5	बैंक समाधान विवरण	177
अध्याय 6	तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	207
अध्याय 7	ह्रास, प्रावधान और संचय	255
अध्याय 8	विनिमय विपत्र	311

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

	आमुख		*iii*
अध्याय 9	**वित्तीय विवरण – 1**		**353**
	9.1	पणधारी और उनकी सूचना आवश्यकतायें	353
	9.2	पूँजी और आगम के मध्य भेद	355
	9.3	वित्तीय विवरण	357
	9.4	व्यापारिक व लाभ और हानि खाता	359
	9.5	प्रचालन लाभ	373
	9.6	तुलन–पत्र	377
	9.7	प्रारंभिक प्रविष्टि	385
अध्याय 10	**वित्तीय विवरण - 2**		**397**
	10.1	समायोजन की आवश्यकता	397
	10.2	अंतिम स्टॉक	399
	10.3	बकाया व्यय	401
	10.4	पूर्वदत्त व्यय	403
	10.5	उपार्जित आय	404
	10.6	अग्रिम प्राप्त आय	406
	10.7	ह्रास	407
	10.8	डूबत ऋण	408
	10.9	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	410
	10.10	देनदारों पर बट्टे का प्रावधान	413
	10.11	प्रबंधक कमीशन	414
	10.12	पूँजी पर ब्याज	417

© NCERT not to be republished

अध्याय 11 अपूर्ण अभिलेखों से खाते **463**

11.1 अपूर्ण अभिलेखों का अर्थ 463

11.2 अपूर्णता के कारण और सीमायें 464

11.3 लाभ व हानि का निर्धारण 465

11.4 व्यापार एवं लाभ-हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करना 470

अध्याय 12 लेखांकन में कंप्यूटर का अनुप्रयोग **504**

12.1 कंप्यूटर प्रणाली का अर्थ एवं तत्व 504

12.2 कंप्यूटर प्रणाली की क्षमतायें 506

12.3 कंप्यूटर प्रणाली की सीमाएं 508

12.4 कंप्यूटर के अंग 508

12.5 कंप्यूटरीकृत लेखांकन का उद्भव 510

12.6 कंप्यूटीकृत लेखा प्रणाली की विशेषता 513

12.7 प्रबंधन सूचना प्रणाली व लेखांकन सूचना प्रणाली 514

अध्याय 13 कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली **521**

13.1 कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली की परिकल्पना 521

13.2 मानवीय व कंप्यूटरीकृत लेखांकन के मध्य तुलना 523

13.3 कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली से लाभ 524

13.4 कंप्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली की सीमायें 526

13.5 लेखांकन सॉफ्टवेयर के स्रोत 527

13.6 लेखांकन सॉफ्टवेयर के स्रोतों, मुख्य दस्तावेज से पहले सामान्य विचार 529

© NCERT not to be republished